# कुमार जीवन - 7

**अव्यक्त बापदादा :-**

➳ _ ➳ आज हरेक की दो बातें देख रहे हैं कि हरेक कितना नालेजफुल और कितना पावरफुल बने हैं। उसमें भी मुख्य कैचिंग पावर हरेक की कितनी पावरफुल हैं - यह देख रहे हैं। पुरुषार्थ का मुख्य आधार कैचिंग पावर पर है। जैसे आजकल साइन्स वाले आवाज को कैच करने का भी प्रयत्न करते हैं। लेकिन साइलेन्स की शक्ति से आप लोग क्या कैच करते हो? जैसे वह बहुत पहले के साउन्ड को कैच करते हैं, वैसे आप क्या कैच करते हो?

➳ _ ➳ **अपने 5000 वर्ष पहले के दैवी संस्कार कैच कर सकते हो?** कैचिंग पावर इतनी आई है। वह तो दूसरों की साउन्ड वें कैच कर सकते हैं। आप अपने असली संस्कारों को सिर्फ कैच नहीं करते, लेकिन अपना प्रैक्टिकल स्वरूप बनाते हो। **सदैव यह स्मृति में रखो कि मैं यही था और फिर बन रहा हूँ। जितना-जितना उन संस्कारों को कैच कर सकेंगे उतना स्वरूप बन सकेगें। अपनी स्मृति को पावरफुल बनाओ अर्थात् श्रेष्ठ और स्पष्ट बनाओ।**

➳ _ ➳ जैसे अपने वर्तमान स्वरूप का, वर्तमान संस्कारों का स्पष्ट अनुभव होता है ऐसे अपने **आदि स्वरूपों और संस्कारों का भी इतना ही स्पष्ट अनुभव हो।** समझा। इतनी कैचिंग पावर चाहिए। जैसे वर्तमान समय में अपनी चलन व कर्त्तव्य स्पष्ट और सहज स्मृति में रहती है। ऐसे ही अपनी असली चलन सहज और स्पष्ट स्मृति में रहे। **सदैव यही दृढ़ संकल्प रहे कि यह मैं ही तो था। 5000 वर्ष की बात इतनी स्पष्ट अनुभव में आये जैसे कल की बात। इसको कहते हैं कैचिंग पावर।** अपनी स्मृति को इतना श्रेष्ठ और स्पष्ट बनाकर जाना। भट्ठी में आये हो ना। सदैव अपना आदि स्वरूप और आदि संस्कार सामने दिखाई दे।

➳ _ ➳ **अपनी स्मृति को पावरफुल बनाने से वृत्ति और दृष्टि स्वत: ही पावरफुल बन जायेंगी।** फिर यह कुमार ग्रुप क्या बन जायेंगे? अनुकुमार अर्थात् अनोखे। हरेक के दो नयनों से दो स्वरूप का साक्षात्कार होगा। कौन से दो स्वरूप? सुनाया था ना कि निराकारी और दिव्यगुणधारी। फरिश्ता रूप और दैवी रूप। हरेक ऐसे अनुभव करेंगे वा हरेक से ऐसा अनुभव होगा जैसे कि चलता फिरता लाइट हाउस और माइट हाउस हो। ऐसे अपने स्वरूप का साक्षात्कार होता है? जब 5000 वर्ष की बात को कैच कर सकते हो, अनुभव कर सकते हो तो इस अन्तिम स्वरूप का अनुभव नहीं होता है? अभी जो कुछ कमी रह गई है वह भरकर ऐसे अनुभवी मूर्त बनकर जायेंगे। **(09.12.1970)**

---

➢➢ पिछली स्मृतियों को उजागर करने की विधि :-

➳ _ ➳ Past Life Regression / Hypnosis / सम्मोहन

→ Exact एक तारीख की सभी घटनायें बतायी जा सकती है

■ परन्तु सम्मोहन से बहार आने के बाद वह कुछ भी नहीं बता पायेगा

▶ क्योंकि सम्मोहन मूर्छा की अवस्था में किया जाता है

➳ _ ➳ Meditation / पांच स्वरूपों का अभ्यास

→ इसमें भी Exact एक तारीख की सभी घटनायें बतायी जा सकती है

- इससे बहार आने के बाद भी हम सब कुछ बता सकते हैं
  - क्योंकि यह सम्पूरण होश की अवस्था में किया जाता है

→ **रात को सोने से पहले** अपने सभी स्वरूपों को देखने पर सभी स्मृतियाँ Subconscious Mind से बहुत अछे से बहार आ जाती हैं

- बस याद करते करते नींद आ जाए
- इस समय यह ज्ञान Sub Conscious Mind बहुत आसनी से स्वीकार कर लेता है

→ स्मृतियाँ शक्तिशाली स्वरुप में तब उजागर होंगी

- जब लम्बे समय तक वहाँ पर एकाग्रचित रहेंगे... वहाँ पर हमारा फोकस रहेगा
- जैसे जैसे याद करते जाएँ... वैसे वैसे उस स्वरुप में भी स्वयं को स्थित करते जाएँ

→ परमधाम का अभ्यास

- आपको वर्तमान और पास्ट की सभी बुरी स्मृतियों से मुक्त कर देगा

---